आईआईएफएल ने 'कल की बचत' कार्यशालाओं द्वारा 27,830 महिलाओं को भविष्य की योजना बनाने में मदद की

मुंबई,(एजेंसी)।

भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग फाईनेंस कंपनियों में से एक, आईआईएफएल फाईनेंस ने आईआईएफएल फाउंडेशन के साथ हाल ही में शाखाओं के अपने उल्लेखनीय नेटवर्क द्वारा ''आईआईएफएल मिलन'' के बैनर तले विविध सामुदायिक गतिविधियां आयोजित कीं। आईआईएफएल ने देश के 700 से ज्यादा शहरों और कस्बों में 1030 से अधिक शिविर लगाए। ये गतिविधियां व्यवस्थित योजना के द्वारा भविष्य के लिए वित्तीय रूप से तैयार होने के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए 'चलो करें, कल की बचत' अभियान के तहत आयोजित हुईं। इन शिविरों में 27,830 से ज्यादा महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने हिस्सा लिया। डॉ. सारिका कुलकर्णी, सीईओ, आईआईएफएल फाउंडेशन ने इन कार्यक्रमों के बारे में कहा, '' आईआईएफएल फाईनेंस एक जिम्मेदार संगठन है, जिसका मानना है कि महिलाओं को अपने घर की वित्तीय योजना बनाने में सक्रिय हिस्सा लेना चाहिए। ''कल की बचत'' वित्तीय साक्षरता कार्यशाला आईआईएफएल द्वारा खास महिलाओं के लिए आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को रचनात्मक तरीके से लक्ष्य आधारित वित्तीय योजना के बारे में समझाया गया और बताया गया कि इससे उनके उद्देश्यों की पूर्ति में किस प्रकार मदद मिलेगी। आईआईएफएल एक व्यवस्थित, महत्वपूर्ण नॉन बैंकिंग फाईनेंशल कंपनी है, जो सार्वजनिक जमा स्वीकार नहीं करती। यह होम एवं प्रॉपर्टी लोन, गोल्ड लोन, सिक्योरिटीज़ पर लोन, एसएमई बिज़नेस एवं माईक्रोफाईनेंस लोन का कारोबार करती है। आईआईएफएल फाईनेंस को क्राईसिल द्वारा एए (स्टेबल); आईसीआरए द्वारा एए (स्टेबल) एवं केयर द्वारा एए (पॉज़िटिव) की दीर्घकालिक क्रेडिट रेटिंग दी गई है।